21 भारतीय भाषाओं के बाल साहित्यकार पुरस्कृत

बाल साहित्य को फायदे के तराजू पर तौलना बेमानीः प्रकाश मनु

■ सान्ध्य टाइम्स ब्यूरो

साहित्य अकादमी बाल पुरस्कार 2022 का अर्पण समारोह कल शाम त्रिवेणी कला संगम, तानसेन मार्ग में संपन्न हुआ। इस दौरान 21 भारतीय भाषाओं के बाल साहित्यकारों को पुरस्कृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात हिंदी लेखक और बाल साहित्यकार प्रकाश मनु रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि साहित्य और कला में फायदे की बात सोचना बेमानी है। फायदे के लिए अगर दुनिया बनाई जाएगी तो वह बेहद बेरंग होगी।

उन्होंने कहा, अगर बाल साहित्य की संवेदना से हमारा बचपन तैयार होगा, तो आगे चलकर देश के लिए अच्छे डॉक्टर, ईमानदार इंजीनियर और सच्चे और स्वाभिमानी नागरिक मिलेंगे। इस समारोह में 21 भारतीय भाषाओं के साहित्यकार दिगंत ओजा (असमिया), जया मित्र (बाडला), देवबार रामसियारी (बोडो) राजेश्वर सिंह 'राजू' (डोगरी), किरीट गोस्वामी (गुजराती), क्षमा शर्मा (हिंदी), तम्मण्ण बीगार (कन्नड), हमीदुल्लाह वानी (कश्मीरी), ज्योति कुंकळळकार (कोंकणी), वीरेन्द्र झा (मैथिली), नाओरेम लोकेश्वर सिंह (मणिपुरी), संगीता राजीव बर्वे (मराठी), मीना सुब्बा (नेपाली), नरेंद्र प्रसाद दास (ओडिआ), विश्वामित्र दाधीच (राजस्थानी), कुलदीप शर्मा (संस्कृत), गणेश मरांडी (संथाली), मनोहर निहलानी (सिंधी), जि. मीनाक्षी (तमिल), पत्तिपाका मोहन (तेलुगु) और जफर कमाली (उर्दू) को पुरस्कृत किया गया। पंजाबी भाषा के लिए पुरस्कार घोषणा नहीं हुई। पुरस्कार विजेताओं को ट्रॉफी, शॉल और 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। (नस)